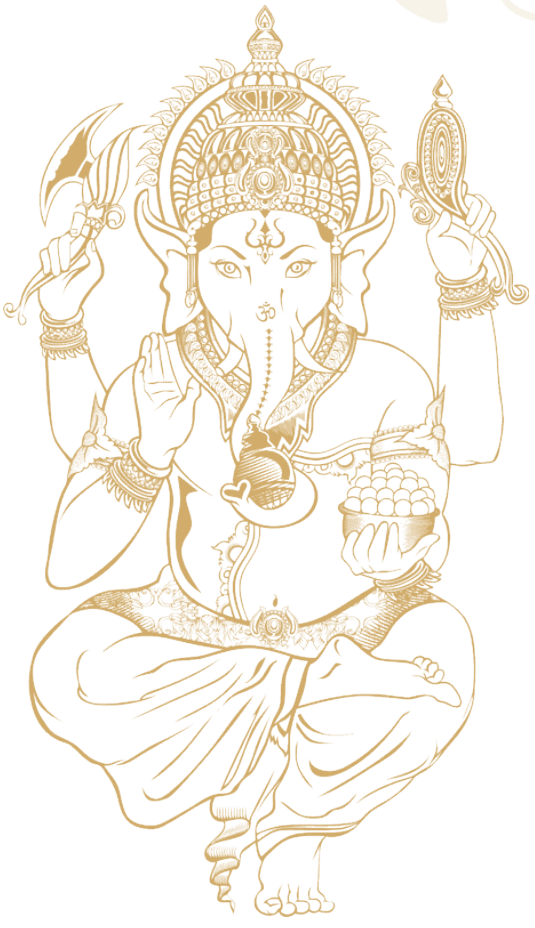

Kunal Swarali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120338105

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/04/1995	जन्म तिथि	26-27/12/2004
शुक्रवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 06:30:00	जन्म समय	06:10:00 घंटे
घटी 00:51:08	जन्म समय(घटी)	57:50:33 घटी
India	देश	India
Bhusaval	स्थान	Amravati
21:01:00 उत्तर	अक्षांश	20:58:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	77:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:18:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:32	सूर्योदय	06:53:40
18:44:43	सूर्यास्त	17:45:13
23:47:38	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:28

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 9वर्ष 10मा 23दि		05:08:30	मेष	लग्न	धनु	00:42:59	**राहु 5वर्ष 4मा 21दि**	
राहु		29:50:10	मीन	सूर्य	धनु	11:40:33	**गुरु**	
06/03/2012		10:08:14	कन्या	चंद्र	मिथु	16:00:19	**19/05/2010**	
07/03/2030		21:40:12	कर्क	मंगल	वृश्चि	07:00:25	**19/05/2026**	
राहु	18/11/2014	29:17:25	मीन	बुध	वृश्चि	19:35:59	गुरु	07/07/2012
गुरु	12/04/2017	21:20:42	वृश्चि व	गुरु	कन्या	22:51:33	शनि	18/01/2015
शनि	17/02/2020	26:24:24	कुंभ	शुक्र	वृश्चि	18:57:23	बुध	25/04/2017
बुध	06/09/2022	25:49:27	कुंभ	शनि व	कर्क	01:23:13	केतु	01/04/2018
केतु	24/09/2023	11:48:13	तुला व	राहु व	मेष	05:55:26	शुक्र	30/11/2020
शुक्र	24/09/2026	11:48:13	मेष व	केतु व	तुला	05:55:26	सूर्य	18/09/2021
सूर्य	19/08/2027	06:29:28	मक	हर्ष	कुंभ	09:47:56	चन्द्र	18/01/2023
चन्द्र	16/02/2029	01:42:12	मक	नेप	मक	19:45:43	मंगल	25/12/2023
मंगल	07/03/2030	06:21:38	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	28:37:02	राहु	19/05/2026

लग्न-चलित

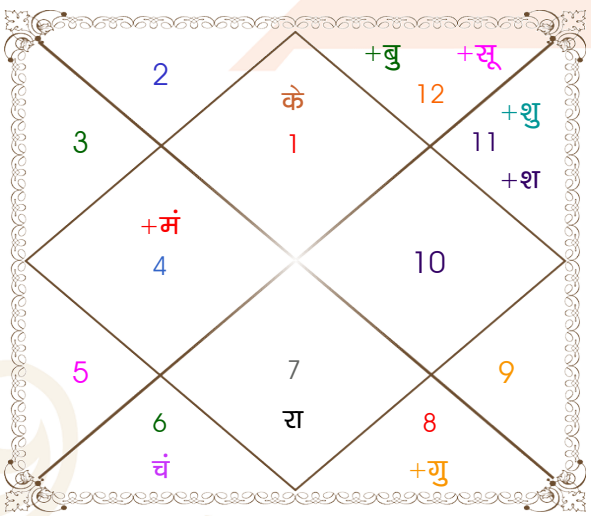

लग्न-चलित

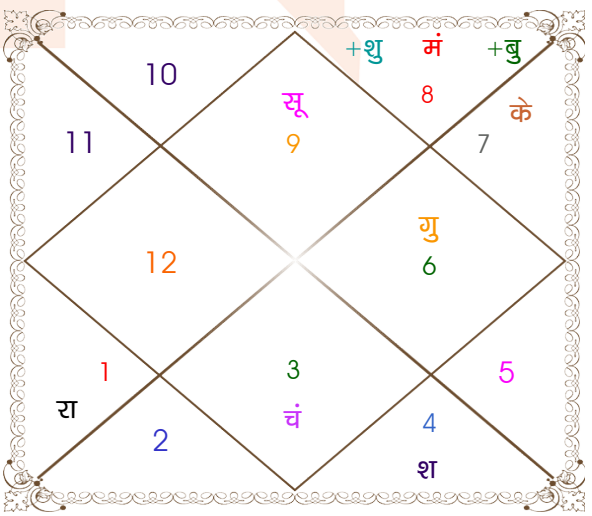

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Swarali का नक्षत्र आर्द्रा है।

ज्ञनदंस का वर्ग मूषक है तथा Swarali का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ज्ञनदंस और Swarali का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

ज्ञनदंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल ज्ञनदंस कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ज्ञनदंस कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Swarali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Swarali कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Swarali कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ज्ञनदंस कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ज्ञनदंस तथा Swarali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।